नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी

वी.यू. में "कृषक प्रशिक्षण केन्द्र का लोकार्पण, वृहद पशु प्रदर्शिनी एवं पशुपालक संगोष्ठी" कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जबलपुर। आज दिनांक 24 फरवरी 2022 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन में कृषक प्रशिक्षण केन्द्र का लोकार्पण एवं पशुपालक संगोष्ठी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा कृषकों की आय में दोगुनी वृद्धि करना थी। कार्यक्रम उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्री प्रेम सिंह पटेल जी एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष वि. वि. के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी, विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम अध्यक्ष श्री जशवंत जाटव, जिला कलेक्टर श्री इलैया राजा टी., पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए.के. मिश्रा जी, भारतीय अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के डॉ. हरमान सिंह, खरपतवार अनुसंधान परिषद् के डॉ. जे. एस. मिश्रा, संयुक्त संचालक ए.पी.

गौतम सिंह, द्वारा फीता काटकर कृषक प्रशिक्षण केन्द्र एवं पशुपालक संगोष्ठी का लोकार्पण किया गया।

सभी अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के अंतर्गत पशुचिकित्सा एवं पशुपालन, मत्स्य पालन महाविद्यालयों जबलपुर, महू, रीवा, जे.एन.के.वि.वि.,कृषि विज्ञान केन्द्र जबलपुर की 15 प्रदर्शनीयों

का अवलोकन कर कृषको/पशुपालको को मुर्गीपालन, चूजे, मत्स्य पालन, बीज, बारबरी, जमुनापारी, बकरा–बकरी वितरण कर गौ माता का पूजन किया गया। इसके पश्चात मॉ सरस्वती जी की मूर्ति के पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यकम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण, गौ स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

स्वागत श्रृंखला में भाषण देते हुये माननीय कुलपति जी ने कहा कि 75 वॉ आजादी के अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर कृषक प्रशिक्षण केन्द्र का लोकार्पण एवं पशुपालक संगोष्ठी सें एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा कृषकों की आय में दोगुनी वृद्धि होगी। वि.वि. में फार्मर फर्स्ट परियोजना, जनजातीय परियोजना एवं अनुसंधान परियोजनाएं, प्रशिक्षण, किसान और विस्तार एजेंट, सहायक प्रोफेसर, पशु चिकित्सा अधिकारी, एक्सपोजर, फार्म और घर का दौरा, प्रौद्योगिकी समावेशन पहल, पशु स्वास्थ्य शिविर, प्रदर्शनियॉ, किसान संगोष्ठी, विस्तार साहित्य विकसित, मोबाइल सलाहकार सेवाएं किसानों को प्रदान की गई, रेडियो टी.वी. वार्ता वितरित, मैत्री टेंनिग एवं अन्य गतिविधियॉ की जा रही है। साथ ही भ्रूण प्रत्यारोपण का भी प्रयोग सफल रहा है। पंचगव्य इकाई द्वारा हवन टिकिया, गमला, और मिनरल मिक्चर तैयार किये जा रहे है। इसी कड़ी में विशिष्ट अतिथि, श्री जशवंत जाटव ने कहा कि पशुचिकित्सा वि.वि. कृषको/पशुपालको के लिये एक बहुत बड़ा परिवर्तन लाकर आत्मनिर्भर बनायेगें। इसी बीच फार्मर फर्स्ट परियोजना के साहित्य सामग्री एकीकृत कृषि कार्य 100 प्रतिशत सक्सेस स्टोरी, उन्नत प्रणाली सें कृषको/पशुपालको का शसक्तिकरण, वैकयार्ड कुक्कुट पालन, टेलीफोन डायरेक्ट्री का विमोचन किया गया ।

पशुपालन संगोष्ठी में डॉ. अनिल कुमार गौर, डॉ. आंचल केशरी, डॉ. नितिन बजाज, डॉ. एस.के.महाजन. डॉ. सिंघई, वैज्ञानिक, डॉ. सुधीर अटकरे, डॉ. सौरभ, श्री प्रतुल दर्शन खरे, एरिया मैनेजर, डॉ. आर.पी. पटेल, श्री मिश्रा, ब्राच मैनेजर, एच.डी.एफ.सी., द्वारा कृषकों /पशुपालकों के समक्ष अलग–अलग विषयों पर समझाया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय, के कुलसचिव डॉ. श्रीकांत जोशी, श्री अजय सिंह ठाकुर लेखानियंत्रक, डॉ एम. के. मेहता, अधिष्ठाता संकाय, डॉ. मधु स्वामी, संचालक अनुसंधान सेवायें,

डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, संचालक जैव प्रौघेगिकी, की गारिमामयी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम में 400 किसान/पशुपालक, छात्र–छात्राएं, एवं महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. आदित्य मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन वि.वि. के कुलसचिव डॉ. श्रीकात जोशी द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि. , जबलपुर (म.प्र.)